हिंदी दैनिक

न्यूज़ वायरस

वर्ष : 11 अंक : 288 देहरादून, बुधवार, 10 मई, 2023 मूल्य : एक रुपया पृष्ठ : 08

महाराज ने उधमसिंह नगर को दी 35 करोड़ की योजनाओं की सौगात 3

मुख्यमंत्री ने किया सीएम हेल्पलाइन 1905 के नए प्रारूप का शुभारंभ

सीएम हेल्पलाइन 1905 पर 24 घंटे रहेगी शिकायत दर्ज करने की सुविधा

न्यूज़ वायरस नेटवर्क

देहरादून , 10 मई , मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने मुख्यमंत्री हेल्पलाइन 1905 के नये प्रारूप का शुभारंभ किया। सीएम हैल्प लाईन 1905 के नये वर्जन में 1905 डायल करने के अलावा वेब पोर्टल, मोबाइल एप एवं ऑडियो कॉल रिकॉर्डिंग फीचर की सुविधा भी दी गई है। अब 24 घंटे सीएम हेल्पलाइन 1905 पर मदद लिये जाने के साथ शिकायत भी दर्ज करने की सुविधा उपलब्ध रहेगी।

मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने अधिकारियों को निर्देश दिये कि सीएम हेल्पलाइन 1905 की विभागों द्वारा माह में दो बार समीक्षा की जाए। मुख्यमंत्री प्रत्येक माह के अन्तिम सप्ताह में इसकी स्वयं समीक्षा करेंगे। उन्होंने कहा कि सीएम हेल्पलाइन 1905 से लोगों को अधिक से अधिक जागरूक किया जाय। यह सुनिश्चित किया जाए कि जन समस्याओं एवं शिकायतों के निस्तारण के लिए बनाये गये इस हेल्पलाईन का लाभ आमजन को मिले। उन्होंने

कहा कि गुड गवर्नेंस हमारा उत्तरदायित्व है। सरलीकरण, समाधान, निस्तारण एवं संतुष्टि का जो सरकार का उद्देश्य है, उसमें सीएम हेल्पलाइन 1905 महत्वपूर्ण भूमिका निभा सकता है।

मुख्यमंत्री ने अधिकारियों को निर्देश दिये कि यह सुनिश्चित किया जाए जन समस्याओं का जिस स्तर पर समाधान होना है, उस स्तर पर ही समाधान हो जाए। तहसील स्तर पर जिन समस्याओं का समाधान हो सकता है, वे अनावश्यक जिलाधिकारी तक न आये और जिन समस्याओं का समाधान जनपद स्तर पर वो शासन स्तर तक न आये। जिस स्तर पर समस्याओं का समाधान होना है, यदि नहीं हो रहा है तो संबंधित अधिकारियों एवं कर्मचारियों की जिम्मेदारी तय की जाय। उन्होंने कहा कि भ्रष्टाचार मुक्त एप 1064 को और सशक्त बनाया जाए।

हेल्पलाइन पर प्राप्त शिकायतों की माह में दो बार होगी समीक्षा

मुख्यमंत्री ने अधिकारियों को निर्देश दिये हैं तहसील दिवसों का नियमित आयोजन किया जाय। जनपद स्तर पर भी जिलाधिकारी प्रतिमाह जन सुनवाई करें। उन्होंने ने निर्देश दिये कि प्रत्येक माह के पहले एवं तीसरे मंगलवार को तहसील जन समर्पण दिवस का आयोजन किया जाए एवं चौथे मंगलवार को जनपद में जिलाधिकारी जन समर्पण दिवस लगाकर जन समस्याओं का समाधान करें। सभी जन समस्याओं एवं जन शिकायतों को ऑनलाईन रजिस्टर किया जाए। जिन लोगों की समस्याओं का समाधान तहसील एवं जनपद स्तर पर नहीं हो पायेगा, उन समस्याओं को ही मुख्यमंत्री कार्यालय को संदर्भित किया जायेगा। बैठक में अपर मुख्य सचिव राधा रतूड़ी, आनन्द बर्द्धन, प्रमुख सचिव एल. फैनई, पुलिस महानिदेशक अशोक कुमार, विशेष प्रमुख सचिव अभिनव कुमार, सचिव आर. मीनाक्षी सुंदरम, शैलेश बगोली, दिलीप जावलकर, अरविन्द सिंह ह्यांकी, डॉ. पंकज कुमार पाण्डेय, बी.वी.आर.सी पुरूषोत्तम, विनोद रतूड़ी, निदेशक आईडीटीए नितिका खण्डेलवाल एवं अन्य उच्चाधिकारी उपस्थित थे, सभी जिलाधिकारी वर्चुवल माध्यम से बैठक से जुड़े थे।

मुख्यमंत्री ने किया ऑटोमैटिक नम्बर प्लेट रिकग्निशन सिस्टम का शुभारम्भ

न्यूज़ वायरस नेटवर्क

देहरादून , 10 मई , मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने सचिवालय से परिवहन विभाग द्वारा तैयार किये गये ऑटोमैटिक नम्बर प्लेट रिकग्निशन सिस्टम (ए.एन.पी.आर) का शुभारंभ किया। इससे प्रदेश के प्रमुख मार्गों में यातायात के नियमों के अनुपालन एवं कर अपवंचन संबंधी प्रकरणों की ऑनलाईन मॉनिटरिंग की सुविधा होगी।

मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने कहा कि यातायात के नियमों के पालन एवं सड़क सुरक्षा की दृष्टि से यह एक अच्छी शुरूआत है। ए.एन.पी.आर कैमरे लगने से लोग यातायात के नियमों का पालन भी करेंगे। मुख्यमंत्री ने निर्देश दिये कि ए.एन.पी.आर कैमरे के बारे में लोगों को जागरूक किया जाए। इस कैमरे में अभी शुरूआती चरण में जो लोग यातायात के नियमों का उल्लंघन कर रहे हैं, उनको चेतावनी के एस.एम.एस भेजे जाएं। मुख्यमंत्री ने कहा कि ए.एन.पी.आर कैमरे लगाने की जहां भी आवश्यकता पड़ रही है, स्थानों का चयन कर वहां इसकी सुविधा उपलब्ध कराई जाय। उन्होंने कहा कि ए.एन.पी.आर कैमरे लगने से जीएसटी एवं अन्य विभागों को भी मदद मिलेगी व कर चोरी की रोकथाम भी इससे संभव होगी। इससे जहां चेक पोस्टों पर जाम से निजात मिलेगी, आवागमन भी सरल होगा। इस व्यवस्था के प्रारम्भ होने से वाहन दुर्घटनाओं को रोकने में भी मदद मिलेगी।

सचिव परिवहन अरविन्द सिंह ह्यांकी ने प्रस्तुतीकरण के माध्यम से बताया कि मोटर यान अधिनियम, 1988 में संशोधन करते हुए सड़क परिवहन एवं राजमार्ग मंत्रालय, भारत सरकार द्वारा वाहनों की इलेक्ट्रॉनिक मॉनिटरिंग किये जाने की व्यवस्था की गई है। उत्तराखण्ड में राज्य की सीमा पर स्थापित सभी चैक पोस्टों को समाप्त कर दिया गया है। राज्य में इलैक्ट्रॉनिक मॉनिटरिंग व्यवस्था लागू करने हेतु प्रथम चरण में राज्य की सीमा पर ए०एन०पी०आर० स्थापित करने की योजना बनाई गयी जिसके लिये राज्य सड़क सुरक्षा कोष से रूपये 4.61 करोड़ की धनराशि स्वीकृत की गई है। सचिव परिवहन ने जानकारी दी कि योजना के अन्तर्गत ए०एन०पी०आर० पोर्टल से प्राप्त डाटा को जीएसटी विभाग को उपलब्ध कराने हेतु इन्टीग्रेशन की कार्यवाही प्रारम्भ कर दी गयी है, जबकि अन्य विभागों खनन, आबकारी, पर्यटन, शहरी विकास, वन विभाग तथा पुलिस के साथ इन्टीग्रेशन किया जाना भी प्रस्तावित है ताकि एक ही माध्यम से प्राप्त डाटा का सभी सम्बन्धित विभागों द्वारा उपयोग किया जा सके। इस व्यवस्था को पूर्णतः आटोमेटेड बनाया गया है जिसके लिए ए०एन०पी०आर० कैमरे के लिए तैयार सॉफ्टवेयर का इन्टीग्रेशन वाहन पोर्टल एवं ई-चालान पोर्टल से किया गया है। इससे वाहन की नम्बर प्लेट के आधार पर चालान स्वतः जेनरेट हो सकेंगे, जिसमें मानवीय हस्तक्षेप नहीं होगा। इस अवसर पर प्रमुख वन संरक्षक अनूप मलिक, आयुक्त राज्य कर डॉ. अहमद इकबाल, निदेशक आईटीडीए नितिका खण्डेलवाल एवं सबंधित विभागीय अधिकारी उपस्थित थे।

अल्मोड़ा में नवजात की मौत स्वास्थ्य मंत्री ने दिये जांच के आदेश

न्यूज़ वायरस नेटवर्क

देहरादून, 10 मई , अल्मोड़ा में सरकारी अस्पताल से रेफर नवजात की हायर सेंटर ले जाते समय हुई मौत के प्रकरण को सूबे के स्वास्थ्य मंत्री डॉ. धन सिंह रावत ने गंभीरता से लिया है। उन्होंने इस मामले में परिजनों को सख्त कार्रवाई का भरोसा देते हुये स्वास्थ्य महानिदेशक एवं जिलाधिकारी अल्मोड़ा को प्रकरण की जांच के आदेश दिये हैं, डॉ. रावत ने जिला प्रशासन व स्वास्थ्य महानिदेशक से एक सप्ताह के भीतर प्रकरण की विस्तृत रिपोर्ट मांगी है।अल्मोड़ा जिला के फलसीमा निवासी आरती आर्या के नवजात शिशु की मौत का संज्ञान लेते हुये सूबे के स्वास्थ्य मंत्री डा. धन सिंह रावत ने इसे दुःखद घटना बताया है। मीडिया को जारी बयान में डॉ. रावत ने कहा कि प्रकरण की गंभीरता को देखते हुये

■ जिला प्रशासन और स्वास्थ्य विभाग करेंगे अलग-अलग जांच

जिलाधिकारी व विभागीय स्तर पर अलग-अलग जांच कराई जायेगी। जांच में जो भी दोषी पाया जायेगा उसके विरूद्ध सख्त कार्रवाई अमल में लाई जायेगी। सूबे में इस तरह की घटना को कतई भी बर्दाश्त नहीं किया जायेगा। उन्होंने कहा कि जिला प्रशासन व स्वास्थ्य महानिदेशक को एक सप्ताह के भीतर विस्तृत जांच रिपोर्ट सौंपने के निर्देश दिये गये हैं। रिपोर्ट के आधार पर लापरवाही बरतने वाले कर्मचारियों के खिलाफ कठोर कार्रवाई की जायेगी, ताकि भविष्य में ऐसी घटना दोबारा न हो तथा अस्पताल आने वाले किसी भी मरीज के उपचार में लापरवाही न हो सके।

पानी के लिए की जाती है कई शादियां, जागो भारत जागो

न्यूज वायरस नेटवर्क

ब्यूरो रिपोर्ट , 10 मई , 'वाटर वाइफ्स' ये शब्द सुनकर आपके दिमाग में क्या आता है? ये किसी नाटक का नाम लगता है, लेकिन हिंदुस्तान के एक गांव में ये सच्चाई है। आज भी कई लोग उस गांव में सिर्फ इसलिए शादी करते हैं क्योंकि उन्हें पानी लाने के लिए किसी की जरूरत होती है। आप सोच रहे होंगे कि शादी करना तो कोई बुरी बात नहीं, लेकिन अगर एक ही इंसान कई शादियां करे तो? ये बात है महाराष्ट्र के एक गांव की जहां सिर्फ पानी भरने के लिए ही शादियां की जाती हैं। एक ही आदमी दो या तीन शादियां भी करता है जिससे उसके घर में पानी आ सके।

'पानी बाई' का क्या होता है काम ?

2015 में ओपन मैग्जीन द्वारा पब्लिश एक आर्टिकल में इस टर्म को यूज किया गया था। उसी सोर्स के हिसाब से इस गांव के कुछ पुरुषों की 4 पत्नियां भी हैं जिसमें से सिर्फ एक ही लीगल है और बाकी तीन 'पानी बाई' होती हैं। इसी आर्टिकल में वहां के एक किसान सखाराम भगत का जिक्र था जिसका परिवार उस इलाके में सबसे बड़ा है। सखाराम ने तीन शादियां की हैं और उसकी दूसरी और तीसरी पत्नियां सिर्फ पानी लाने का काम ही करती हैं। सखाराम जो पास के एक फार्म में मजदूरी का काम करते हैं उनका मानना है कि पानी लाने के लिए शादी करने के अलावा उनके पास और कोई चारा नहीं था।

गर्मियों में पानी लाने का काम काफी ज्यादा भारी होता है जब महिलाएं सुबह जल्दी खाली बर्तन लेकर निकल जाती हैं और नदी तक की यात्रा में खेत, पहाड़ी बीहड़ और जंगली पेड़ों के बीच से होते हुए नदी तक जाती हैं। वो पानी लेकर शाम तक पहुंचती हैं। हर महिला अपने सिर पर 15-15 लीटर के दो कनस्तर रखती है और रोजाना का यही रूटीन होता है।

आखिर क्यों की जाती है इस तरह की शादी ?

दरअसल, इसके पीछे समाज का नियम है जहां सिंगल महिलाओं को चाहें वो विधवा हो या फिर निचली जाति की महिला जिसे समाज में इज्जत चाहिए होती है। इन महिलाओं के लीगल अधिकार नहीं होते और न ही ये बच्चे पैदा कर सकती हैं। जब ये बूढ़ी हो जाती हैं या बीमार हो जाती हैं तो पति फिर से शादी करता है ताकि पानी लाने का ये नियम ऐसे ही बना रहे। आपको ये जानकर हैरानी होगी कि इस गांव से सिर्फ तीन किलोमीटर दूर एक डैम है जिसमें पानी भरा रहता है, लेकिन इस डैम का पानी पाइप के जरिए मुंबई चला जाता है। ऐसे में गांव के लिए कुछ भी नहीं बचता है।

महाराष्ट्र का गांव जहां पानी के लिए की जाती है शादी-

देश के कई ऐसे हिस्से हैं जहां पर पानी की कमी बहुत होती है और महिलाओं को मीलों दूर से पानी लाना पड़ता है। पर पानी की ऐसी कमी जिसके चलते एक से ज्यादा शादियां करनी पड़ें ये तो बहुत ही अजीब बात लगती है। महाराष्ट्र के ठाणे जिले का एक गांव डेंगनमल है जिसकी यही कहानी है। वहां महिलाएं सिर्फ पानी लाने का काम करती हैं और अगर कोई एक महिला पानी लाने के काबिल नहीं रहती तो दूसरी शादी कर ली जाती है।

धर्म-कर्म : पत्नी को पति के बाईं तरफ ही क्यों सोना चाहिए ?

न्यूज़ वायरस नेटवर्क

ब्यूरो रिपोर्ट , 10 मई , हिन्दू धर्म में कई तार्किक नियम बनाए गए हैं। इन्हीं में से एक है पत्नी का पति के बाईं तरफ सोना। धार्मिक आधार पर पत्नी के बाईं तरफ सोने के पीछे कई कारण और लाभ बताए गए हैं। वास्तु शास्त्र में पति-पत्नी के सोने के तरीके के बारे में और दिशा से जुड़ी जानकारी दी गई है। वहीं, धार्मिक दृष्टि से भी कुछ नियम बनाए गए हैं। इन्हीं में से एक है पत्नी का पति के बाईं तरफ सोना। ज्योतिष एक्सपर्ट डॉ राधाकांत वत्स से आइये जानते हैं कि आखिर क्यों पत्नी को पति की उल्टी तरफ सोया चाहिए।

पौराणिक कथा के अनुसार, भगवान शिव ने जब अर्धनारेश्वर रूप लिया था तब उनके बाएं अंग से ही स्त्री तत्व यानी कि माता पार्वती (माता पार्वती के मंत्र) प्रकट हुई थीं। इसलिए हिन्दू धर्म में पत्नी को वामांगी कहा गया है। वामांगी का अर्थ है बाएं अंग की अधिकारी। पुरुष का बायां अंग स्त्री के हिस्से का माना जाता है। यही कारण है कि किसी भी शुभ काम में पत्नी को पति के बाईं तरफ का स्थान प्राप्त होता है। इसी में शामिल है पत्नी के पति की बाईं ओर सोना।

मान्यता है कि पत्नी का पति की बाईं तरफ सोना बहुत शुभ माना जाता है। इससे वैवाहिक जीवन सुख, समृद्धि और संपन्नता से परिपूर्ण रहता है। पत्नी का पति के बाईं तरफ सोना वैवाहिक जीवन के लिए उत्तम और पति के लिए सौभाग्यमय माना जाता है। इससे पति की रक्षा भी होती है। मान्यता है कि जब

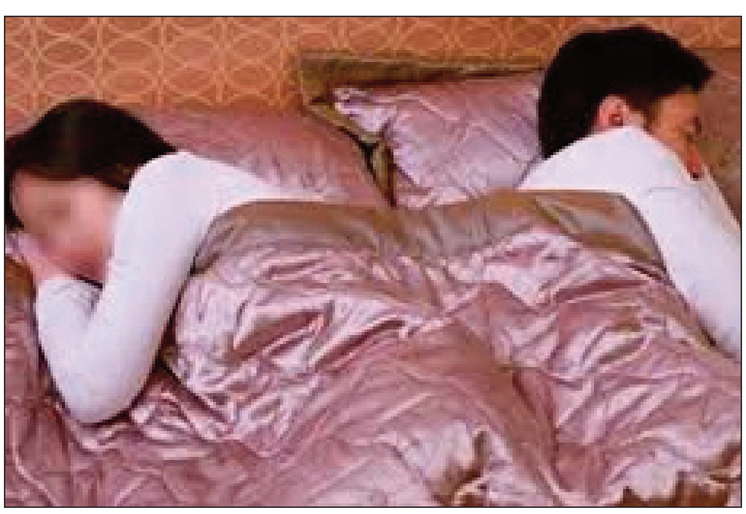

यमराज सत्यवान के प्राण हरने आए थे तब वह बाईं ओर से आए थे और सावित्री ने अपने पति की रक्षा कर उनके प्राण बचाए थे।

ऐसे में पत्नी के पति के बाईं ओर सोने से पति की यमराज से रक्षा होती है और किसी भी आपदा से पत्नी अपने पति को बचा सकती है।

इसके अलावा, वामांगी होने के बावजूद भी कुछ कामों में स्त्री को पुरुष के दायीं ओर यानी कि सीधी तरफ रहने की बात शास्त्रों में कही गई है।शास्त्रों में बताया गया है कि कन्यादान, विवाह, यज्ञकर्म, जातकर्म, नामकरण और अन्न प्राशन के समय पत्नी को पति के दायीं ओर बैठना चाहिए।पत्नी को पति के दाएं या बाएं बैठने संबंधी इस मान्यता के पीछे यह तर्क दिया जाता है कि जो काम सांसारिक होते हैं उनमें पत्नी बाईं तरफ होनी चाहिए।ऐसा इसलिए क्यों इन सांसारिक कामों में स्त्री की प्रधानता मानी गई है और स्त्री तत्व को सर्वोच्च बताया गया है।

वहीं, यज्ञ (यज्ञ और हवन में अंतर), कन्यादान, विवाह यह सभी काम पारलौकिक माने जाते हैं और इन्हें पुरुष प्रधान बताया गया है। इसलिए इन सभी कार्यों के दौरान पुरुष के दीन ओर स्त्री का होना शुभ माना गया है। इन कामों में स्त्री को सहभागी बताया गया है। अगर हमारी आम जन जीवन से जुडी खबरें पसंद आ रही हैं तो आप हमें कमेंट करके जरूर बताएं। हम आप तक सही जानकारी पहुंचाने का प्रयास करते रहेंगे। अगर आपको ये स्टोरी अच्छी लगी है, तो इसे शेयर जरूर करें। ऐसी ही अन्य स्टोरी पढ़ने के लिए जुड़ी रहें हिंदी दैनिक न्यूज़ वायरस के साथ ।

अरे बाप रे ! भाग गई दुल्हन तो धरने पर बैठा दूल्हा

न्यूज़ वायरस नेटवर्क

ब्यूरो रिपोर्ट , 10 मई , बारात लेकर दुल्हन लाने के लिए अपने ससुराल गया दूल्हा आखिर ज्यादा से ज्यादा कितनी देर इंतजार करता होगा 6 घंटे 12 घंटे या फिर 1 दिन लेकिन क्या आप जानते हैं राजस्थान के सिरोही जिले में एक दूल्हा अपनी दुल्हन की इंतजार में अपने ससुराल में 5 दिनों से बैठा हुआ है। इतना ही नहीं उसने 5 दिनों से अपने सिर का सेहरा तक नहीं उतारा है। क्योंकि उसकी दुल्हन शादी होने के पहले ही फरार हो गई।

भारत में आज भी क्यों भागती है दुल्हनिया

मामला राजस्थान के सिरोही जिले का है। दरअसल यहां के बाली इलाके में मनीषा नाम की युवती की शादी श्रवण कुमार से होनी थी। श्रवण अपने परिवार के साथ बारात लेकर अपने ससुराल पहुंच गया। ससुराल वालों ने दूल्हे और उसके परिवार वालों की काफी आवा भगत भी की। करीब 6:15 बजे जब पंडित जी ने फेरे लेने के लिए कहा उसी वक्त दुल्हन ने उल्टी और पेट दर्द का बहाना बनाया। और अपने कमरे में जाकर कहा कि अभी थोड़ी देर इंतजार करें। लेकिन दुल्हन अपने कमरे में जाने के बाद घरवालों को कहने लगी कि उसे टॉयलेट जाना है। लेकिन टॉयलेट की बजाय वह घर के पीछे लगी टंकी के पास खड़े अपने चचेरे भाई के साथ मौके से फरार हो गई। जो लड़की के पिता के मामा का लड़का है।अब दुल्हन के इंतजार में दूल्हा श्रवण अपने ससुराल में ही बैठा हुआ है। घरवालों ने शादी के लिए लाखों रुपए की तैयारियां भी की थी लेकिन अब वह धरी की धरी रह गई। इतना ही नहीं बेटी के फरार हो जाने के बाद उसकी मां की भी तबीयत खराब है।घरवाले ठीक से खाना तक नहीं खा पा रहे हैं। हालांकि पुलिस लगातार तलाश कर रही है। वहीं परिजनों ने बताया कि शादी के 1 दिन पहले जब घर में डांस प्रोग्राम था तो लड़की ने खूब डांस किया उसे देखकर लग ही नहीं रहा था कि वह ऐसा कोई कदम उठा सकेगी।

महाराज ने उधमसिंह नगर को दी 35 करोड़ की योजनाओं की सौगात

न्यूज़ वायरस नेटवर्क

काशीपुर / उधमसिंह नगर , 10 मई , प्रदेश के लोक निर्माण, पर्यटन मंत्री सतपाल महाराज ने विकासखण्ड मुख्यालय पहुँचकर 35 करोड़ 38 लाख 38 हजार की धनराशि की योजनाओं का लोकार्पण एवं शिलान्यास करने के साथ-साथ जन-समस्याएं सुनकर मौके पर ही अधिकांश समस्याओं का निस्तारण भी किया। कैबिनेट मंत्री सतपाल महाराज ने विकासखण्ड मुख्यालय पर आयोजित एक कार्यक्रम के दौरान 35 करोड़ 38 लाख 38 हजार की धनराशि की अनेक विकास योजनाओं का लोकार्पण एवं शिलान्यास करने के अलावा जनता की समस्याओं को सुनने के साथ साथ अधिकारियों को निर्देश दिये कि जन-समस्याओं का प्राथमिकता से निस्तारण करना सुनिश्चित करें। इस दौरान उन्होंने द्रोणासार सौन्दर्यकरण योजना, तथा वित्तीय वर्ष 2022-2023 में सिंचाई तथा लोक निर्माण आदि विभागों द्वारा किए गए विकास कार्यों के बारे में भी जानकारी दी। कार्यक्रम के दौरान अपने संबोधन में उन्होंने कहा कि प्रदेश में क्षेत्र पंचायत व जिला पंचायत में भी अब दो से अधिक संतान वाले लोग चुनाव लड़ सकते हैं, इसके लिए सरकार ने कटऑफ डेट तय कर ली है। उन्होंने

कहा कि 25 जुलाई 2019 से पहले जिन लोगों की दो से अधिक सन्तान हैं वे भी अब पंचायत चुनाव लड़ सकते हैं।

महाराज ने कहा कि मेयर की तरह ही ब्लॉक प्रमुख तथा जिला पंचायत अध्यक्ष का चुनाव प्रत्यक्ष एवं अप्रत्यक्ष कराने का अधिकार राज्यों को देने की मांग केन्द्र से की गई है ताकि राज्य में ब्लॉक प्रमुख तथा जिला पंचायत अध्यक्ष पद का चुनाव भी प्रत्यक्ष रूप से हो सके। उन्होंने बताया कि त्रि-स्तरीय पंचायतों के सशक्तिकरण हेतु 242 करोड़ की धनराशि जारी की गई है। सड़कों को गड्ढा मुक्त करने के लिए लोक निर्माण विभाग एक एप बना रहा है, जिसमें कोई भी व्यक्ति मोबाइल के माध्यम से देषान्तरीय स्थिति के साथ गड्ढे की फोटो अपलोड कर सकता है जोकि सीधे लोनिवि को प्राप्त होगी और लोक निर्माण विभाग उस शिकायत पर कार्यवाही करते हुए गड्ढा मुक्त करके फोटो अपलोड करेगा जोकि शिकायतकर्ता को भी प्राप्त होगी। कार्यक्रम के पश्चात महराज ने महाराणा प्रताप चौक पहुँचकर उनकी प्रतिमा पर माल्यार्पण किया। उन्होंने कहा कि महाराणा प्रताप हमारे प्रेरणा स्त्रोत है। उन्होंने कहा कि महाराणा प्रताप का जीवन शौर्य गाथाओं एवं देशभक्ति से परिपूर्ण है जोकि हमें निरन्तर संघर्ष करने की प्रेरणा देता है।

इस दौरान क्षेत्रीय विधायक त्रिलोक सिंह चीमा, मेयर ऊषा चौधरी, पूर्व विधायक हरभजन सिंह चीमा, राज्य महिला आयोग की उपाध्यक्ष सायरा बानो, भाजपा जिलाध्यक्षक गुंजन सुखीजा सहित, राजेश कुमार, अमित नारंग, गुरविन्दर सिंह चण्डोक, खिलेन्द्र चौधरी, राम मेहरोत्रा, उप जिलाधिकारी अभय प्रताप सिंह, सीओ वन्दा वर्मा, तहसीलदार यूसुफ अली, जिला पंचायतराज अधिकारी आरसी त्रिपाठी सहित अन्य अधिकारी व क्षेत्रीय जनता उपस्थित थी।

उत्तराखण्ड श्री अन्न महोत्सव 2023 के प्रचार-प्रसार में 11 'श्री अन्न' कृषक रथ रवाना

न्यूज़ वायरस नेटवर्क

देहरादून,10 मई , प्रदेश के कृषि एवं कृषक कल्याण मंत्री गणेश जोशी ने आगामी 13 से 16 मई तक आयोजित होने वाले उत्तराखण्ड श्री अन्न महोत्सव 2023 के प्रचार-प्रसार हेतु 11 'श्री अन्न' कृषक रथों का एक काफिले को हरी झंडी दिखाकर रवाना किया।

आपको बता दें कि 13 से 16 मई 2023 को सर्वे ऑफ इंडिया हाथी बड़कला में उत्तराखण्ड श्री अन्न महोत्सव 2023 भव्य आयोजित किया रहा है। जिसमे केंद्रीय कृषि मंत्री नरेंद्र सिंह तोमर, केंद्रीय कृषि राज्य मंत्री कैलाश चौधरी सहित अन्य राज्यों के कृषि मंत्री होटल व्यवसाय, कृषि वैज्ञानिक, किसान, उद्योग जगत सहित कई लोग उपस्थित रहेंगे। इस अवसर पर मंत्री गणेश जोशी ने कहा देश के प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के प्रयासों से वर्ष 2023 को अंतराष्ट्रीय मिलेट वर्ष घोषित किया गया है। उन्होंने कहा उत्तराखंड में मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी के नेतृत्व में मिलेट के प्रोत्साहन और उसके उत्पादन को लेकर प्रदेश सरकार द्वारा निरंतर कार्य किया जा रहा है।

उन्होंने कहा मिलेट के प्रचार प्रसार के लिए मिलेट्स भोज के कार्यक्रमो का आयोजन और अब 13 से 16 मई तक भव्य मिलेट्स मेला का आयोजन किया जा रहा है। इस मिलेट्स मेले में श्री अन्न के अधिक उत्पादन और उसके विपणन को लेकर चर्चा की जाएगी और उन अनुभावों को लेकर प्रदेश सरकार उसको धरातल पर उतराने का प्रयास किया जाएगा। वर्तमान में उत्तराखंड में 88 हजार हैक्टयर में मिलेट की खेती की जा रही है। जिससे प्रत्येक साल लगभग 1 लाख 23 हजार से मिलेट्स का उत्पादन किया जा रहा है। किसानों को उसकी उपज का सही दाम मिल सके इसके लिए प्रदेश के प्रत्येक गांव में कलेक्शन सेंटर खोले गए हैं। जहां किसान कलेक्शन सेंटर पहुंचकर उचित दाम पा रहे हैं। साथ ही किसानों को उसकी पैदावार की कीमत डायरेक्ट उनके खाते में भेजी जा रही है।

मंत्री ने कहा मिलेट स्वास्थ्य के दृष्टि से बेहद लाभदायक है।उन्होंने कहा सरकार का मुख्य उद्देश्य यही है कि मिलेट्स का किसान अधिक से अधिक उत्पादन करें। जिससे निश्चित ही किसानों की आय दोगुनी करने में मददगार साबित होगा। उन्होंने भरोसा जताया कि प्रदेश सरकार का संकल्प है कि जब राज्य 25 वर्ष का होगा तो हम मिलेट्स के उत्पाद को दोगुना करेंगे इस दिशा में प्रदेश सरकार लगातार कार्य कर रही है।

भू अतिक्रमण पर गठित टास्क फोर्स करेगी तेजी से कार्यवाही : अशोक कुमार डीजीपी

न्यूज़ वायरस नेटवर्क

देहरादून , 10 मई , मुख्यमंत्री उत्तराखण्ड द्वारा सरकारी भूमि पर हुए अतिक्रमण हटाने हेतु गठित टास्क फोर्स के साथ मिलकर कार्यवाही में तेजी लाने हेतु निर्देशित किया गया है जिसके बाद पुलिस मुख्यालय में पुलिस महानिदेशक अशोक कुमार द्वारा समस्त जनपद प्रभारियों को समीक्षा बैठक के दौरान कई दिशा-निर्देश दिये गये है। आपको बताते हैं कि टास्क फ़ोर्स से जुडी वो बड़ी हिदायतें और निर्देश क्या है जिससे आपको भी कोई परेशानी का सामना न करना पड़े।

सरकारी भूमि पर हुए अतिक्रमण को विभागवार चिन्हिकरण की कार्यवाही की जाए ।सरकारी जमीनों में स्थायी अतिक्रमण को व्यक्तिगत एवं क्लस्टर्स को 02 सेगामेंट में विभाजित कर चिन्हित किया जाए ।बिना अनुमति के संचालित लाउड स्पीकरों पर मा0 उच्च न्यायालय द्वारा प्रदत्त निर्देशों का पुनः अनुपालन सुनिश्चित किया जाए ।मिशन मर्यादा के तहत तीर्थस्थलों व गंगा घाटों की मर्यादा एवं स्वच्छता के बारे में आम जन को पोस्टर व बैनर के माध्यम से जागरूक करें ।मिशन मर्यादा के तहत गंगा घाटों व तीर्थ स्थलों पर हुडदंग करने वालों के विरूद्ध एस.टी.एफ. व एस.ओ.जी. की सहायता लेकर आवश्यक वैधानिक कार्यवाही करना सुनिश्चित करें ।संदिग्ध व बाहरी लोगों के सत्यापन हेतु सम्बन्धित थानाध्यक्ष पुलिस टीमें फील्ड पर निकलकर सत्यापन की कार्यवाही करें । बाहरी राज्यों से आने वाले श्रमिकों व अन्य लोगों को स्वयं उनके द्वारा स्थानीय पुलिस स्टेशन के माध्यम से सत्यापन करवाकर सम्बन्धित थानाध्यक्ष दूरभाष के माध्यम पुर्नसत्यापित करना सुनिश्चित करें ।धोखाधड़ी के मामलों में 01 वर्ष से अधिक समय से प्रचलित

मामलों में दोनों परिक्षेत्र के आई.जी को रिव्यू कर कार्यवाही करने के निर्देश दिये गये । आगामी जून माह में पुलिस महानिदेशक द्वारा धोखाधड़ी से सम्बन्धित मामलों में जिला वार विवेचकों के साथ रिव्यू मीटिंग ली जाएगी । इस बेहद अहम बैठक के दौरान डॉ0 वी0 मुरूगेशन, अपर पुलिस महानिदेशक, अपराध एवं कानून व्यवस्था, उत्तराखण्ड, ए0पी0 अंशुमान, अपर पुलिस महानिदेशक, अभिसूचना एवं सुरक्षा, उत्तराखण्ड,एवं अन्य अधिकारी गण मौजूद रहे ।

अल्मोड़ा : जुए की लत ने सेना के जवान को बना दिया चोर ?

न्यूज़ वायरस नेटवर्क

उत्तराखंड 10 मई : अल्मोड़ा में बीते कुछ दिनों से असफल लूट की घटनाएं हो रही थीं। कभी बैंक, कभी पोस्ट ऑफिस तो कभी एटीएम में लूट का असफल प्रयास किया गया। बैंककर्मी और पोस्ट ऑफिस वाले परेशान हो गए। समझ नहीं आ रहा था कि ऐसा कर कौन रहा है। बाद में पुलिस को सूचना दी गई। पुलिस ने सीसीटीवी कैमरे खंगाले तो आरोपी पकड़ा गया, लेकिन जब उसके बारे में जानकारी निकाली गई तो जो कुछ पता चला, उसने पुलिस को भी हैरान कर दिया। दरअसल बीते कई दिनों से पुलिस की नाक में दम करने वाला यह नकाबपोश कोई और नहीं बल्कि भारतीय सेना बीआरओ का एक जवान निकला, जो कई दिनों से फरार है। आरोपी का नाम नवीन सिंह बिष्ट है। देर रात उसे गिरफ्तार कर लिया गया। उसके पास से फर्जी नंबर प्लेट वाली स्कूटी भी मिली, जिसे सीज कर दिया गया है। पूछताछ में आरोपी नवीन ने हैरान करने वाले खुलासे किए। उसने बताया कि वो बीआरओ में ट्रेडमैन के पद पर तैनात है।

कुछ महीनों पहले वो छुट्टी पर घर आया और उसके बाद से ड्यूटी पर नहीं लौटा। पूछताछ में पता चला कि आरोपी को जुआ खेलने की लत है। कैसीनो के शौक ने उसे कर्ज की दलदल में धकेल दिया। जुआ खेलने के लिए उसने बैंक से लोन भी लिया और कई लोगों से भी उधार ले रखा था। जब कहीं से पैसा आने की उम्मीद नहीं रही तो वो बैंक-एटीएम लूटने की योजना बनाने लगा। उसने अल्मोड़ा, रानीखेत और द्वाराहाट में अलग-अलग बैंक, पोस्ट ऑफिस और एटीएम लूटने का प्रयास किया, लेकिन असफल रहा। शिकायत मिलने पर पुलिस ने आरोपी की गिरफ्तारी के लिए अलग-अलग टीमों का गठन किया था। और आरोपी पकड़ा गया। पुलिस ने जांच के दौरान आरोपी के पास से लूट की घटना को अंजाम देने वाले हथियार और उपकरण भी बरामद किए हैं।

अब बर्गर-नूडल्स के साथ कप, प्लेट और चम्मच भी खा सकेंगे लोग

न्यूज़ वायरस नेटवर्क

ब्यूरो रिपोर्ट 10 मई : दुनिया के सामने लोगों की हेल्दी लाइफ स्टाइल को लेकर सबसे बड़ी चुनौती है। फूड प्रोडक्ट्स व खाना परोसने के लिए इस्तेमाल हो रहा प्लास्टिक न सिर्फ हेल्थ के लिहाजा से खराब है, बल्कि दुनिया भर में इससे प्रदूषण भी बढ़ रहा है। दरअसल, प्लास्टिक न लगता है, न जलता है। यदि इसे जलाया जाता है, तो इससे निकलने वाला धुआं सेहत के लिए ठीक नहीं होता है। इसी बात को ध्यान में रखते हुए दुनियाभर में प्लास्टिक से निजात पाने के लिए शोध किए जा रहे हैं। इसमें काफी हद तक वैज्ञानिकों को सफलता भी मिली है।

जी हां, प्लास्टिक के पैक में खाने-पीने की सामग्री परोसने के खतरों से निजात पाने के लिए दुनियाभर में लगातार शोध हो रहे हैं। वैज्ञानिक व उद्यमी इसके विकल्प तलाश रहे हैं। इन्हीं प्रयासों में हैदराबाद के नारायण पीस पति ने मोटे अनाज के आटे से खाने में इस्तेमाल होने वाला चम्मच बनाया है, जिसे खाना समाप्त करने के बाद थाली में रखने की जरूरत नहीं है। मतलब, चम्मच भी भोजन का हिस्सा ही है।

इसी तरह, ब्रिटेन के एक स्टार्टअप ने समुद्री शैवाल से पानी का बरतन यानी जलपात्र बनाया है। वहां के अखबार 'गार्डियन' की रपट में सोमवार को कहा गया कि यह प्लास्टिक की वैश्विक समस्या का समाधान बन सकता है। यदि यह प्रयोग सफल रहा और इसमें कोई हानिकारक तत्व नहीं पाया गया, तो यह प्लास्टिक के बोतलबंद पानी की जगह लेगा और लोगों को प्लास्टिक के बोतल से निजात मिल जाएगी। गौरतलब है कि पिछले महीने बोतलबंद पानी में प्लास्टिक के सूक्ष्म कणों के मौजूद होने की बात सामने आई थी, जिससे उपभोक्ताओं की सेहत पर गंभीर खतरा होने की बात कही गई थी।

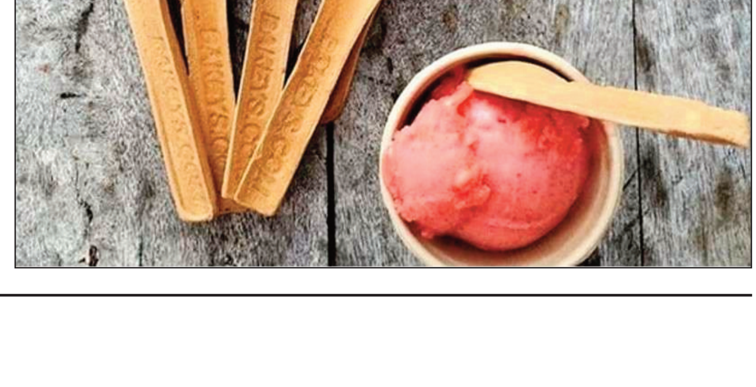

उत्तराखंड : अगर आप भी किराये के मकान में रहते हो तो ये बात जरूर जान लो ?

न्यूज़ वायरस नेटवर्क

उत्तराखंड 10 मई : मकान मालिक और किरायेदारों के बिच लड़ाई झगड़े तो आप देखते ही रहते है लेकिन अब उत्तराखंड के हल्द्वानी में ही देख लो । यहां मकान मालिक के बेटे ने किराये पर रहने वाली महिला का नहाते हुए न्यूड वीडियो बना लिया।

महिला ने उसे ऐसा करते हुए देख लिया। पीड़ित महिला ने शोर मचाया तो आरोपी युवक ने उसके साथ मारपीट की। इतना ही नहीं वीडियो वायरल करने की धमकी भी दी। युवक की इस हरकत से परिजनों को भी शर्मसार होना पड़ रहा है। पुलिस को दी गई शिकायत में महिला ने बताया कि वो एक मकान में किराये पर कमरा लेकर रहती है।

मकान मालिक के बेटे की उस पर गंदी नजर थी। बीते दिनों जब वो नहाने के लिए जा रही थी तो मकान मालिक का बेटा भी पीछे-पीछे आ गया। उसने नहाने के दौरान महिला का वीडियो बना लिया। महिला ने

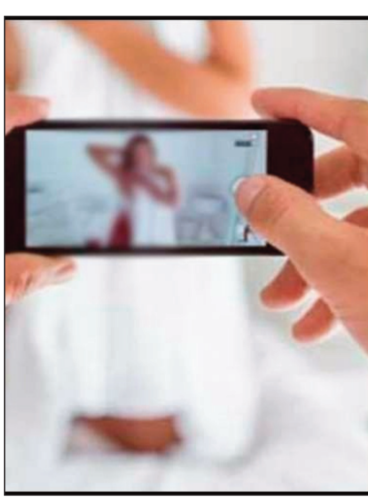

युवक को गंदी हरकत करते देखा तो वो चीख पड़ी। उसने युवक की हरकत का विरोध किया। तब आरोपी युवक महिला के साथ मारपीट करने लगा। ये भी कहा कि अगर उसने इस बारे में किसी को बताया तो वो उसे जान से मार देगा। साथ ही वीडियो भी वायरल कर देगा। परेशान होकर पीड़ित पुलिस के पास पहुंची और आपबीती बताई। पीड़ित की शिकायत पर पुलिस ने केस दर्ज कर लिया है। मामले की जांच की जा रही है। पुलिस ने आरोपी के खिलाफ सख्त से सख्त कार्रवाई करने का आश्वासन दिया है।

श्री हेमकुण्ट साहिब मैनेजमेंट ट्रस्ट के अध्यक्ष नरेंद्रजीत सिंह बिंद्रा ने मुख्यमंत्री के की मुलाकात

न्यूज़ वायरस नेटवर्क

देहरादून , 10 मई , मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी से सचिवालय में गुरूद्वारा श्री हेमकुण्ट साहिब मैनेजमेंट ट्रस्ट के अध्यक्ष नरेंद्रजीत सिंह बिंद्रा ने भेंट की। उन्होंने इस वर्ष आरम्भ हो रही श्री हेमकुण्ट साहिब यात्रा के पहले जत्थे को रवाना करने का अनुरोध किया। यात्रा का पहला जत्थ 17 मई 2023 को ऋषिकेश से रवाना होगा। उन्होंने कहा कि श्री हेमकुण्ट साहिब के कपाट 20 मई को खुलेंगे। मुख्यमंत्री ने सभी को हेमकुण्ट साहिब की सुखद यात्रा की शुभकानायें देते हुए कहा कि हेमकुण्ट यात्रा के लिये यात्रा मार्ग पर सभी आवश्यक व्यवस्थायें की गई हैं।

अध्यक्ष गुरूद्वारा श्री हेमकुन्ट साहिब नरेंद्रजीत सिंह ने हेमकुण्ट यात्रियों की सुविधा के लिये राज्य सरकार द्वारा की गई व्यवस्थाओं के प्रति मुख्यमंत्री का आभार जताया। उन्होंने यात्रा मार्ग श्री हेमकुण्ट साहिब गोबिन्द धाम, गोबिन्द घाट व अन्य स्थानों पर सरकार द्वारा किए गए अवस्थापना विकास कार्यों की जानकारी भी मुख्यमंत्री को दी। उन्होंने बताया कि गुरुद्वारा श्री हेमकुण्ट साहिब में पिछले वर्ष हेलीपेड का निर्माण किया गया है जो वर्ष 2023 में पूर्ण किया जाएगा। गोबिन्द धाम से श्री हेमकुण्ट साहिब 6 किमी० के मार्ग पर रेलिंग का निर्माण किया गया जिन जगहों पर मोड़ की चौड़ाई कम थी उनका सुधारीकरण किया गया है। यत्रा हेतु 500 मीटर का एक अलग मार्ग का कार्य भी तेजी से चल रहा है। गोबिन्द धाम में घोड़ा पड़ाव का कार्य भी शुरू हो चुका है। स्वच्छता एवं स्वास्थ्य सुविधाओं का विकास किया गया है। गांव पुलना जहां से पैदल यात्रा शुरू होती है. 10 किमी0 के ट्रैक पर म्यून्डार गांव में 165 मीटर लंबा पुल बनकर तैयार हो चुका है व दोनों तरफ की एपरोच रोड़ भी तैयार कर दी गई है। पुलना से गोबिन्द धाम तक के ट्रैक पर 10 रेन शेल्टर शेड बैंच लगाकर यात्रियों के बैठने के लिए तैयार किए गए हैं।

गोबिन्द घाट से 5 किमी0 तक का पुलना सड़क मार्ग तैयार किया गया है। पुलना गांव में टैक्सी चालकों के लिए दो अलग-अलग पार्किंग का निर्माण किया गया है। गोबिन्द घाट गुरूद्वारा से गांव पांडुकेश्वर की ओर नदी से सुरक्षा के लिए दीवार का कार्य भी तेजी से चल रहा है। यात्रियों की गाड़ियों के लिए जिला प्रशासन द्वारा गोविन्द घाट में एक अस्थायी पार्किंग का निर्माण भी इस वर्ष किया गया है। गोबिन्द पाट गुरूद्वारा हॉस्पिटल में भी एक एक्स-रे मशीन व मोबाईल पैथोलॉजी लैब सरकार द्वारा लगाई गई है। यात्रियों के लिए शुद्ध पीने के पानी के लिए एक आर.ओ. की व्यवस्था भी की गई है। गोबिन्द घाट बस स्टैंड से गुरुद्वारा जाने के लिए जो पुराना मार्ग था उसके सुधारीकरण का कार्य भी तेजी से चल रहा है।

देहरादून में हॉउस टैक्स की वसूली होगी चार गुना - मत करना ये काम

न्यूज़ वायरस नेटवर्क

देहरादून , 10 मई , अगर आप अभी तक हॉउस टैक्स के मामले में लापरवाह हैं तो ये खबर ज़रूर पढ़ लें क्योंकि उत्तराखंड की राजधानी देहरादून में अब हाउस टैक्स चोरी करने वालों पर नगर निगम सख्त रुख अपनाने जा रहा है. हाउस टैक्स चोरों पर शिकंजा कसने के लिए देहरादून नगर निगम ने रणनीति तैयार कर ली है. इस रणनीति के तहत हाउस टैक्स चोरी करनेवाले लोगों की पहचान की जाएगी और फिर उनसे 4 गुना टैक्स वसूली होगी. देहरादून के कर एवं राजस्व अधीक्षक ने बताया कि नगर निगम द्वारा हाउस टैक्स जमा करने के लिए लोगों को लगातार जागरूक किया जा रहा है. कई जगह कैंप भी लगाए जा रहे हैं और लोगों से हाउस टैक्स जमा करवाए जा रहे हैं.उन्होंने बताया कि जिन्होंने पहले ही सेल्फ एसेसमेंट फॉर्म भर दिया था और जिन लोगों का हाउस टैक्स पेंडिंग है, तो उसे पेनल्टी के साथ जमा करवाया जा रहा है और जिन लोगों ने अपनी संपत्ति का अभी तक एक बार भी सेल्फ एसेसमेंट फॉर्म नहीं भरा है, उन लोगों पर देहरादून नगर निगम कार्रवाई करने जा रहा है.विभाग से जुड़े अधिकारी कहते हैं कि क्षेत्रीय कर निरीक्षण और जीआईएस मैपिंग के जरिए देहरादून की ऐसी संपत्तियों की पहचान की जाएगी और भवन स्वामियों को नोटिस भेजकर उन पर कार्रवाई की जाएगी. उन्होंने बताया कि जिन लोगों ने अभी तक संपत्ति का सेल्फ एसेसमेंट फॉर्म एक बार भी नहीं भरा है, उनसे देहरादून नगर निगम 4 गुना टैक्स वसूली कर सकता है. उन्होंने बताया कि वित्तीय वर्ष 2022-23 में देहरादून नगर निगम ने लगभग 52 करोड़ रुपये भवन कर की वसूली की है. यह अब तक सर्वाधिक राजस्व के रूप में वसूली की गई है.

वार्षिक कार्ययोजना तैयार करें विभाग : डॉ. धन सिंह रावत

न्यूज़ वायरस नेटवर्क

देहरादून, 10 मई , कैबिनेट मंत्री डा. धन सिंह रावत ने शत-प्रतिशत बजट व्यय करने के दृष्टिगत अपने अधिनस्थ सभी विभागों को वार्षिक योजना तैयार करने के निर्देश दिये हैं। इसके साथ ही उन्होंने वार्षिक स्थानांतरण नीति के तहत पात्र कार्मिकों की सूची शीघ्र तैयार को भी कहा है। उन्होंने कहा कि सभी बिन्दुओं पर आगामी 15 व 16 मई को विस्तृत समीक्षा की जायेगी।

लगभग एक माह बाद कर्नाटक विधानसभा चुनाव प्रचार से लौटे सूबे के कैबिनेट मंत्री डॉ. धन सिंह रावत ने आज राजधानी पहुंचते ही विधानसभा स्थित सभागार में अपने अधिनस्थ विभागों के उच्चाधिकारियों की बैठक ली। जिसमें उन्होंने सभी विभागों के उच्चधिकारियों को वर्ष 2023-24 के लिये स्वीकृत विभागीय बजट को शत-प्रतिशत खर्च करने के निर्देश दिये। उन्होंने कहा कि इसके लिये विभागीय अधिकारी वार्षिक कार्ययोजना तैयार कर आगामी 15 व 16 मई को आहूत समीक्षा बैठक में प्रस्तुतिकरण देंगे। इसके अतिरिक्त विभागीय अधिकारियों को पात्र कार्मिकों के स्थानांतरण की सूची तैयार करने तथा पदोन्नति के पदों को शीघ्र भरने के निर्देश दिये।

उन्होंने उच्च शिक्षा, स्वास्थ्य एवं विद्यालयी शिक्षा विभाग के अधिकारियों को लम्बे समय से रिक्त विभिन्न संवर्गों के पदों की सूची तैयार कर भर्ती प्रक्रिया शुरू करने को कहा। डा. रावत ने कहा कि उपरोक्त सभी बिन्दु पर आगामी 15 व 16 मई को विस्तृत समीक्षा की जायेगी। जिसमें सभी विभागों के अधिकारियों को पूरी तैयारी के साथ उपस्थित रहना आवश्यक है। बैठक में कैबिनेट मंत्री डा. रावत ने स्वास्थ्य विभाग के अधिकारियों से चार धाम यात्रा में तीर्थ यात्रियों को उपलब्ध कराई जा रही स्वास्थ्य सुविधाओं की भी समीक्षा की। उन्होंने कहा कि यात्रा के दौरान तीर्थ यात्रियों को स्वास्थ्य संबंधी किसी भी प्रकार की असुविधा न हो इसके लिये विभागीय अधिकारी चौबीस घंटे अलर्ट मोड़ पर रहें।

बैठक में सचिव उच्च शिक्षा शैलेश बगोली, सचिव सहकारिता बी.वी.आर.सी. पुरूषोत्तम, अपर सचिव उच्च शिक्षा प्रशांत आर्य, एम.एम. सेमवाल, अपर सचिव स्वास्थ्य अमनदीप कौर, महानिदेशक विद्यालयी शिक्षा बंशीधर तिवारी, निबंधक सहकारिता अलोक कुमार पाण्डेय, महानिदेशक स्वास्थ्य डॉ. विनीता शाह, निदेशक उच्च शिक्षा प्रो. जी.डी. सूंठा, निदेशक चिकित्सा शिक्षा डॉ. आशुतोष सयाना, निदेशक बेसिक शिक्षा वंदना गर्ब्याल, निदेशक संस्कृत शिक्षा एस.पी. खाली सहित अन्य विभागीय अधिकारी उपस्थित रहे।

हिंदी दैनिक
न्यूज़ वायरस

इस देश में शादी के बाद तीन दिनों तक टॉयलेट नहीं जा सकते दूल्हा-दुल्हन

न्यूज़ वायरस नेटवर्क

ब्यूरो रिपोर्ट 10 मई : शादी का जिक्र होते ही धूम-धड़ाके के साथ मन में आती हैं बहुत सारी रस्में। जिसे लोग बहुत ही खुशी के साथ मनाते हैं। हर धर्म, समुदाय और देश में शादी को लेकर अलग-अलग रीति-रिवाज होते हैं लेकिन कई बार ऐसे रीति-रिवाज भी देखने को मिल जाते हैं जो आपको अचरज में डाल देते हैं। क्या आपको पता है कि दुनिया में एक ऐसा देश है जहां पर शादी के बाद तीन दिनों तक दूल्हा-दुल्हन शौचालय नहीं जा सकते हैं। यहां पर शादी के तीन दिन बाद तक नव-विवाहित जोड़े के शौचालय जाने पर पाबंदी रहती है। इसके बारे में जानकर आप भी कहेंगे कि ये कैसी रस्म है और कहां के लोग हैं जो इतनी अजीब रस्म को निभाते हैं। शादी के बाद ये अनोखी रस्म इंडोनेशिया के टीडॉन्ग नामक समुदाय में निभाई जाती है। इस रस्म को लेकर कई मान्यताएं हैं जिसके चलते लोग इसे निभाते हैं।

इंडोनेशिया के टीडॉन्ग समुदाय, बिरादरी के लोग इस रस्म को बहुत महत्वपूर्ण समझते हैं, और इस रस्म को वो पूरी संजीदगी के साथ निभाते हैं। इस

रिवाज के पीछे मान्यता है कि शादी एक पवित्र समारोह होता है यदि वर-वधू शौचालय जाते हैं तो उनकी पवित्रता भंग होती है और वे अशुद्ध हो जाते हैं, इसलिए शादी के तीन दिन तक दुल्हा-दुल्हन के शौचालय जाने पर पाबंदी रहती है। अगर कोई ऐसा करता है तो उसे अपशगुन मानते हैं।

इंडोनेशिया के टीडॉन्ग समुदाय में इस रस्म को निभाने के पीछे एक और कारण है कि नवविवाहित जोड़ो को बुरी नजर से बचाना। इस बिरादरी के लोगों की मान्यताओं के अनुसार जहां पर मल त्याग किया जाता है वहां गंदगी होती है, जिसके कारण वहां पर नकारात्मक शक्तियां होती है। अगर दुल्हा-दुल्हन शादी के तुरंत बाद शौचालय जाते हैं तो उन पर नकारात्मकता का प्रभाव हो सकता है। जिससे उनके दांपत्य जीवन में परेशानियां आ सकती हैं, रिश्ते में दरार पड़ सकती हैं और नवविवाहित जोड़े की शादी टूट सकती है। इसलिए वे रस्म को अच्छे से निभा सकें इसके लिए उन्हें कम खाना-पानी दिया जाता है और इस बात का ध्यान रखा जाता है कि वे शौचालय न जाएं। यहां पर ये रस्म बहुत ही कड़ाई के साथ निभाई जाती है।

WhatsApp पर आ रहे फ्रॉड कॉल या मैसेज का अब पहले ही लग जाएगा पता

न्यूज़ वायरस नेटवर्क

ब्यूरो रिपोर्ट , 10 मई , आप सभी वॉट्सऐप का इस्तेमाल दिन भर में कम से कम 2 से 3 घंटे जरूर करते होंगे. आजकल साइबर क्राइम चरम पर है और साइबर क्रिमिनल्स वॉट्सऐप के जरिए भी लोगों को टारगेट कर रहे हैं. भारत में करीब 500 मिलियन से ज्यादा मंथली एक्टिव यूजर्स वॉट्सऐप पर हैं. इतनी बड़ी संख्या में यूजरबेस होना हैकर्स या स्कैमर्स को बड़ा फायदा पहुँचाता है और वे आसानी से लोगों को अपने जाल में फसाते हैं. वॉट्सऐप पर आजकल लोगों को फ्रॉड कॉल या एसएमएस भर- भरकर आ रहे हैं. इन मैसेज के जरिए लोगों को बहकावे में लेकर उनकी निजी डिटेल्स और पैसे को साफ किया जा रहा है.

लेकिन अब वॉट्सऐप पर फ्रॉड कॉल या एसएमएस की पहचान करने के लिए ट्रूकॉलर ने मेटा के साथ हाथ मिलाया है और जल्द लोगों को ऐप पर एक खास फीचर मिलने वाला है जिसकी मदद से वे स्पैम या फ्रॉड कॉल की पहले ही पहचान कर पाएंगे. जिस तरह अभी ट्रूकॉलर में स्पैम कॉल आने पर लोगों को रेड कलर का अलर्ट मिलता है ठीक ऐसा ही आने वाले समय में वॉट्सऐप पर भी होगा और लोग पहले ही फ्रॉड कॉल की पहचान कर पाएंगे.

कब तक होगा लॉन्च

ट्रूकॉलर अपनी कॉलर आइडेंटिफिकेशन सर्विस को वॉट्सऐप और दूसरे

सोशल मीडिया ऐप्स पर लाने जा रही है जिसकी मदद से यूजर्स स्पैम कॉल को पहचान पाएंगे. ये फीचर इस महीने के अंत तक वॉट्सऐप पर आ सकता है. ट्रूकॉलर के को-फाउंडर और सीईओ एलन ममेदी ने कहा कि 2021 की रिपोर्ट के मुताबिक, भारत में हर महीने ऑन एन एवरेज लोगों को 17 स्पैम या टेलीमार्केटिंग कॉल आती हैं. स्पैम कॉल को पहचानने और ऑनलाइन फ्रॉड को कम करने के लिए अब ट्रूकॉलर की कॉलर आइडेंटिफिकेशन सर्विस वॉट्सऐप पर जल्द लोगों मिलेगी. उन्होंने कहा कि कंपनी TRAI के आदेश के अनुसार, रिलायंस जियो और एयरटेल के साथ भी मोबाइल नेटवर्क पर टेलीमार्केटिंग कॉल को फ़िल्टर करने के लिए एआई टेक्निक पर काम कर रही है. इसकी मदद से ऐसी तमाम कॉल्स को ब्लॉक किया जा सकेगा जो स्पैम या मार्केटिंग से जुड़ी होंगी.

नींद की समस्या से जूझ रहे तो भूलकर भी न खाएं ये चीजें ?

न्यूज़ वायरस नेटवर्क

ब्यूरो रिपोर्ट 10 मई : नींद की समस्या से जूझ रहे तो भूलकर भी न खाएं ये चीजें शरीर के लिए नींद एक दवा का काम करती हैं, क्योंकि नींद के दौरान शरीर खुद को रिपेयर करता है। अगर नींद में खलल पड़े या रात को अच्छी नींद न आए तो इससे तमाम मानसिक और शारीरिक परेशानियां पैदा होने लगती हैं।

8 घंटे की नींद शरीर की रोज की जरूरत है, और शरीर की ये खुराक कई बार हमारी ही गलतियों से पूरी नहीं होती। इन फूड्स को ब्लैकलिस्ट में डाल देंअल्कोहल - रात को सोने से ठीक पहले अगर आप ये सोच कर अल्कोहल लेते हैं कि उनकी दिनभर की थकान उतर जाएगी और बेहतर नींद आएगी तो अपनी सोच को बदल लें,क्योंकि ऐसा कर के वह अपनी नींद ही नहीं हेल्थ को भी चौपट कर रहे हैं। इसमें कैलोरी भी बहुत अधिक होती है जो वेट गेन और डायबिटीज को बढ़ावा देता है। पिज्जा- बर्गर- पिज्जा तो वैसे किसी भी वक्त खाना बेहतर नहीं लेकिन रात में खाना इसे आपके लिए बेहद नुकसानदायक हो सकता है। मैदे और कई तरह की सॉस और चीज से मिलकर बना ये पिज्जा हार्टबर्न का कारण होते हैं। वेट और डायबिटीज के साथ हाई बीपी का कारण बन सकता है आपका ये डिनर। चाट-गोलगप्पे- तो याद रखिए इन फूड्स में से कुछ को तो खाने से हमेशा बचें लेकिन कुछ को रात में खाने से बचना चाहिए। ताकि एक बेहतर नींद और बेहतर स्वास्थ्य को पाया जा सके।चॉकलेट- डार्क चॉकलेट में बहुत अधिक कैफीन और उत्तेजक पदार्थ होते हैं, जो हृदय को आराम देने के बजाए कार्यशील रखते हैं तथा मस्तिष्क को एक्टिव। ये दिन में लेना फायदेमंद हो सकता है, लेकिन रात में बेहतर नींद के लिए यह सही नहीं।

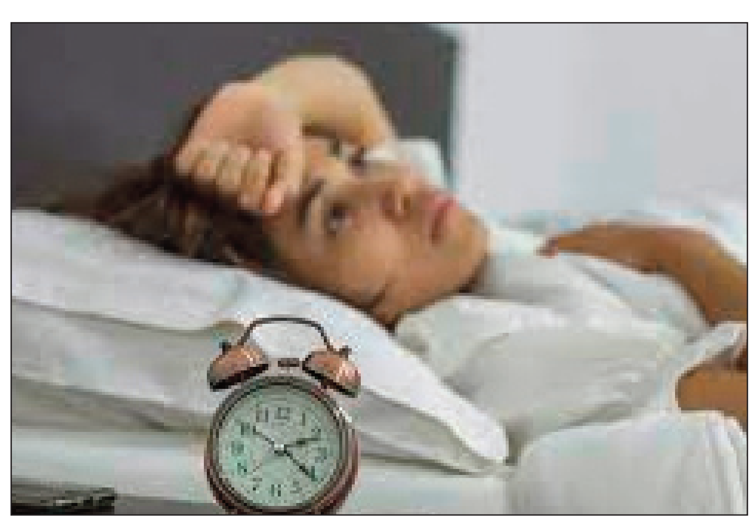

देहरादून : रायपुर पुलिस की बड़ी कार्यवाही, 16 व्यक्तियों को किया गिरफ्तार ?

न्यूज़ वायरस नेटवर्क

देहरादून 10 मई : दून पुलिस की नसीहत मर्यादा में रहे, या कार्यवाही के लिए रहे तैयार मालदेवता सोंग नदी मै शराब पीने वाले व हुड़दंग करने वाले 16 व्यक्तियों को किया गिरफ्तार, 58 व्यक्तियों का किया चालान, वसूला 14500/- रूपये का जुर्माना पुलिस उपमहानिरीक्षक/वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक देहरादून द्वारा समस्त थाना प्रभारियों को ऑपरेशन मर्यादा के अंतर्गत धार्मिक स्थलो व पर्यटक स्थलो पर शराब पीने वालो, हुड़दंग करने वालो के विरुद्ध प्रभावी कार्यवाही करने के निर्देश दिये गये है।

उक्त आदेश के क्रम में पुलिस अधीक्षक नगर के मार्गदर्शन एवं क्षेत्राधिकारी रायपुर के पर्यवेक्षण में थानाध्यक्ष रायपुर द्वारा स्वयं के नेतृत्व मे टीम गठित कर पर्यटक स्थल मालदेवता मै ऑपरेशन मर्यादा के अंतर्गत कार्यवाही करने हेतु टीम गठित की गई। गठित पुलिस टीम द्वारा पर्यटक स्थल मालदेवता मे सार्वजनिक स्थानों, रेस्टोरेंट, होटल ढाबा व सोंग नदी मे अभियान चलाकर प्रभावी चेकिंग की गई। चेकिंग के दौरान सोंग नदी मे शराब पीने वाले व शराब पीकर हुड़दंग करते हुये कई व्यक्ति पाये गये। जिस पर पुलिस टीम प्रभावी कार्यवाही करते हुये मालदेवता सोंग नदी मे शराब पीने वाले व हुड़दंग करने वाले 16 व्यक्तियों को गिरफ्तार किया गया, तथा 58 व्यक्तियों का पुलिस एक्ट मे चालान कर उनसे 14500/- रूपये जुर्माना वसूला गया। सभी व्यक्तियों द्वारा अपनी गलती मानी। सभी को दोबारा ऐसा न करने की नसीहत दी गई। स्थानीय लोगों द्वारा पुलिस कार्यवाही की प्रशंसा की गई। अभियान लगातार जारी है।

मिशन मर्यादा के तहत हरिद्वार पुलिस ने की ताबड़तोड़ कार्यवाही : अजय सिंह

न्यूज़ वायरस नेटवर्क

हरिद्वार , 10 मई , मुख्यमंत्री और डीजीपी के सख्त निर्देशों के बाद प्रदेश भर में मिशन मर्यादा का बड़ा असर होता नज़र आ रहा है। पौड़ी , चमोली , देहरादून और हरिद्वार जैसे बड़े जिलों में पुलिस कप्तानों की सख्ती का ही असर है कि देवभूमि के द्वार हरिद्वार में ही 1293 व्यक्ति पुलिस कार्यवाही की जद में आ चुके हैं जिसमें से 75 अभियुक्तों को गिरफ्तार किया गया है और साढ़े तीन लाख से अधिक धनराशि का वसूला जुर्माना वसूला गया है तो वहीं धार्मिक स्थलों पर अशांति व गलत आचरण करने वालों को मर्यादा का पाठ भी सिखाया है। एसएसपी हरिद्वार अजय सिंह तो दो टूक कहते हैं कि देवभूमि हरिद्वार में सभी का स्वागत है,पर धार्मिक मर्यादा बनाए रखना होगा

आपको यहाँ बता दें कि प्रचलित चार धाम यात्रा के दृष्टिगत चलाए जा रहे अभियान मिशन मर्यादा को सफल बनाने हेतु एसएसपी हरिद्वार अजय सिंह के निर्देशन पर काम कर रही हरिद्वार पुलिस धार्मिक स्थलों पर शराब/हुक्का पीकर हुड़दंग मचाने वालों के विरुद्ध कड़ी कार्यवाही कर मर्यादा का पाठ पढ़ा रही है। सप्ताह भर के भीतर हरिद्वार पुलिस द्वारा अभी हरिद्वार शहर में अशांति एवं सार्वजनिक स्थानों पर नशा आदि करने वाले अभी तक 1293 लोगों के विरुद्ध वैधानिक कार्यवाही की गई जिनमें से 75 अभियुक्तों को गिरफ्तार करते हुए लगभग साढ़े तीन लाख रुपए का जुर्माना वसूला गया।

संपादकीय

कर्नाटक की संप्रभुता अलग!

भारत एक संप्रभु राष्ट्र है, क्योंकि वह स्वतंत्र और अखंड देश है। भारत राज्यों का संघ है, लेकिन संप्रभुता 'राष्ट्रीय' ही है। वही संप्रभुता राज्यों को भी हासिल है। इन सबका उल्लेख भारत के संविधान की प्रस्तावना में भी है। कांग्रेस संसदीय दल की अध्यक्ष सोनिया गांधी ने, कर्नाटक चुनाव प्रचार के दौरान, अपने संबोधन में 'संप्रभुता' या समानार्थी अंग्रेजी शब्द का इस्तेमाल नहीं किया, लेकिन कांग्रेस के अधिकृत ट्विटर हैंडल से उनका जो बयान जारी किया गया है, उसमें कर्नाटक की अखंडता, संप्रभुता, प्रतिष्ठा का उल्लेख जरूर है। यह विरोधाभासी बयान सोनिया गांधी की अनुमति के बिना जारी कैसे किया जा सकता है? सोमवार देर रात तक यह बयान डिलीट नहीं किया गया था और न ही पार्टी की तरफ से अधिकृत स्पष्टीकरण आया था। कुछ गड़बड़ तो जरूर है। प्रधानमंत्री मोदी ने इस पर बेहद आक्रामक अंदाज में सवाल किया कि क्या कर्नाटक की संप्रभुता, भारत की राष्ट्रीय संप्रभुता से, अलग है? क्या कर्नाटक भारतीय संघ का अंतरंग, अविभाज्य अंग नहीं है? कांग्रेस का 'शाही परिवार' चुनाव और राजनीति को प्रभावित करने के लिए ऐसे बयान क्यों दे रहा है? शाही परिवार देश में विदेशी शक्तियों के दखल को उकसाता रहा है और लगातार टिप्पणी करता रहा है कि भारत में लोकतंत्र खत्म हो चुका है। यदि भारत में लोकतंत्र और आजादी नहीं है, तो कर्नाटक संप्रभु और अखंड कैसे रह सकता है? बहरहाल चुनाव आयोग ने भाजपा की शिकायत के मद्देनजर कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खडग़े को नोटिस भेजकर सोनिया गांधी के कथित बयान पर स्पष्टीकरण मांगा है। हालांकि भाजपा ने कांग्रेस की मान्यता और पंजीकरण रद्द करते हुए पार्टी के खिलाफ प्राथमिकी दर्ज करने की मांग की थी। चुनाव आयोग ऐसा 'चरम निर्णय' नहीं लेगा, यह हमारा आकलन है। बेशक सोनिया गांधी ने कर्नाटक की संप्रभुता और अखंडता को, भारत से, भिन्न न आंका हो, लेकिन ट्विटर के जरिए दुनिया के करोड़ों लोगों तक यह संदेश जरूर चला गया है कि भारत की संप्रभुता के भीतर, राज्यों की संप्रभुता भी, भिन्न है। बेशक यह संदेश देश-विरोधी है और भारत की सार्वभौमिक छवि को खंडित करता है। हमारे देश में चुनाव बड़े विकृत और नफरती होते जा रहे हैं। कांग्रेस अध्यक्ष खडग़े ने प्रधानमंत्री मोदी को 'जहरीला सांप' करार दिया, 'नालायक बेटा' तक भी कहा और बदले में एक भाजपा विधायक ने सोनिया गांधी को 'विषकन्या' करार देते हुए चीन और पाकिस्तान की एजेंट तक कह दिया।

उत्तराखंड : सामने आया साइबर ठगी का ऐसा मामला, पुलिस भी हैरान ?

न्यूज़ वायरस नेटवर्क

उधमसिंह नगर 10 मई : साइबर ठगी के कई मामले आपने सुने होंगे। कई ठग लोगों को ईमेल फ्रॉड्स जरिए, मोबाइल फ्रॉड्स के जरिए, एसएमएस के जरिए उनके बैंक अकाउंट से पैसे निकाल लेते हैं मगर इस मामले ने तो पुलिस को भी हैरान कर दिया है। अबकी बार साइबर ठगों ने नया तरीका अपनाते हुए एक शुभचिंतक बनकर पैसे लूट लिए। ठगों ने हल्द्वानी जेल में बंद आरोपित के भाई को फोन कर 10 हजार रुपये का चूना लगा दिया। साइबर ठग में व्यक्ति को मनगढ़ंत कहानी बताते हुए उससे दस हज़ार रुपए लूट लिए। दरअसल काशीपुर के मुख्य बाजार में रहने वाले एक व्यक्ति ने अपर पुलिस अधीक्षक अभय सिंह को दी तहरीर में बताया कि उनका भाई किसी अपराध में हल्द्वानी जेल में बंद है। उनके पास एक फोन कॉल आया।

कॉल करने वाले व्यक्ति ने उसे बताया कि उसके भाई को जेल में गंभीर चोट आई है और उसके सिर से बहुत खून बह रहा है। इसलिए उसके इलाज के लिए उसे दस हज़ार की जरूरत है। ऐसे में व्यक्ति ने घबराकर उसे दस हजार रुपए फोन पर भेज दिए। जब उसने जेल प्रशासन से संपर्क साधा तो जेल प्रशासन ने बताया कि ऐसी कोई घटना उनके जेल में नहीं हुई। इसके बाद उसको गड़बड़ी का एहसास हुआ और उसने पुलिस में शिकायत दर्ज कराई। पुलिस ने आरोपी के खिलाफ शिकायत दर्ज करते हुए मामले की गहराई से जांच पड़ताल शुरू कर दी है। इस खबर से एक बड़ा सवाल यह भी उठता है कि आखिर आरोपी को यह भनक कैसे लगी कि उसका भाई जेल में बंद है। या तो यह किसी जान पहचान वाले इंसान का काम है या फिर आरोपी ने इसके लिए पूरी प्लानिंग के साथ में फोन किया था और पूरी जांच पड़ताल के बाद ही उसने यह मनगढ़ंत कहानी अपने मन में बनाकर पैसे लूट लिए। मित्र पुलिस ऐसे में हमारी आप से अपील है कि हमेशा सावधान रहें और चौकन्ना रहें।

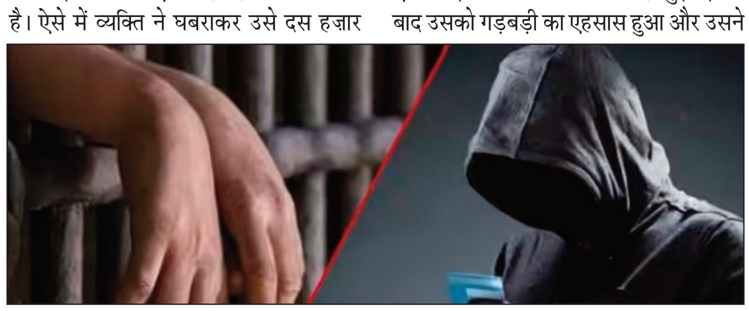

दैनिक न्यूज़ वायरस

संपादक : मौ.सलीम सैफी, कार्यकारी संपादक : आशीष कुमार तिवारी न्यूज़ वायरस नेटवर्क प्रा. लिमिटेड के लिए मुद्रक एवं प्रकाशक मौ.सलीम सैफी द्वारा विश्वनाथ प्रिंटर्स, अजबपुर कलां, देहरादून से प्रकाशित एवं न्यूज़ वायरस नेटवर्क प्रा. लिमिटेड, 48/3 बलबीर रोड, डालनवाला, देहरादून से मुद्रित। **फ़ोन :** 0135-4066790, 2672002 **RNI No. :** UT-THIN/2012/44094 **Cert. Ser. No. :** 31406 **E-mail :** dainiknewsvirus@gmail.com **Website :** www.newsvirusnetwork.com **YouTube :** TV News Virus
न्याय क्षेत्राधिकार : जनपद देहरादून (उत्तराखंड), भारत

हरिद्वार पुलिस का प्रयास सबको मिले इंसाफ, एसएसपी अजय सिंह

न्यूज़ वायरस नेटवर्क

हरिद्वार 10 मई : हरिद्वार पुलिस ने आशा ज्वैलरी शोरूम में चोरी का किया खुलासा शत-प्रतिशत बरामदगी के साथ दबोचे पश्चिमी उत्तर प्रदेश के 03 शातिर घटना में प्रयुक्त 02 स्विफ्ट कार, लगभग ढाई लाख कीमती ज्वैलरी बरामद ग्राहक बन ज्वैलरी शॉप में चोरी की घटना को दिनदहाड़े दिया था अंजाम वांछित 02 महिला अभियुक्तताओं की तलाश जारी आरोपियों ने पश्चिमी उत्तर प्रदेश में कई ऐसी घटनाओं को दिया था अंजाम शादी समारोह में व घूमने के बहाने देते थे चोरी की घटना को अंजाम एसपी सिटी स्वतंत्र कुमार सिंह द्वारा प्रेस वार्ता में किया खुलासा

दिनांक 02/05/23 को आशा सपरा निवासी सर्वप्रिय बिहार हाल निवासी थाना कनखल हरिद्वार द्वारा उनके ज्वैलरी शोरूम में ग्राहक बन कर आए कुछ अज्ञात चोरों द्वारा दिनदहाड़े ज्वेलरी चोरी की घटना को अंजाम देने संबंधी मुकदमा दर्ज कराया गया था। घटना की गंभीरता को देखते हुए एसएसपी हरिद्वार अजय सिंह द्वारा घटना के खुलासे हेतु दिए गए कड़े दिशा-निर्देशों के क्रम में पुलिस टीम द्वारा सैकड़ों सीसीटीवी कैमरे फुटेज, मुखबिर तंत्र, मैन्युअल पुलिसिंग समेत अथक प्रयास कर बैरागी कैंप घुड़सवार पुलिस लाईन के पास से पश्चिमी उत्तर प्रदेश के शातिर गिरोह के 03 अभियुक्तों को चोरी की ज्वैलरी व घटना में प्रयुक्त 02 स्विफ्ट कार समेत दबोचा गया फरार 02 महिला अभियुक्तताओं की तलाश जारी है।

गिरोह ऐसे देता था घटनाओं को अंजाम उक्त गिरोह शादी समारोह आदि में घूमने के बहाने जाते हैं, वहां लोगों में किसी ना किसी बहाने से घुल मिल जाते हैं और पलक झपकते ही इस प्रकार की घटनाओं को अंजाम दे देते हैं। उक्त गिरोह द्वारा पश्चिमी उत्तर प्रदेश में इस प्रकार की लगभग 18 वारदात करने की घटनाओं को कबूला गया है। जिनके आपराधिक इतिहास की जानकारी एकत्रित की जा रही है।

बरामदगी का विवरणः-1– एक नोज पिन 2- एक लोकेट 3- तीन जोडी कान की बाली 4- एक बाली 5- एक अंगूठी 6- चार कान को टॉप्स 7- एक जोडी कान की लटकन 8- घटना में प्रयुक्त स्विफ्ट कार-021 – स्वीफ्ट कार नम्बर UP14DD

कॉमन यूनीफार्म पहनेंगे अफसर नया नियम 1 अगस्त से होगा लागू

न्यूज़ वायरस नेटवर्क

ब्यूरो रिपोर्ट , 10 मई , भारतीय सेना में ब्रिगेडियर से लेकर इससे ऊपर के सभी रैंक वाले अधिकारी अब कॉमन यूनीफार्म पहनेंगे। यह नया नियम 1 अगस्त से लागू होने जा रहा है। माना जा रहा है कि सेना में कॉमन पहचान को मजबूती और बढ़ावा देने के उद्देश्य से यह नियम लागू किया जा रहा है। यह नियम ब्रिगेडियर रैंक से लेकर मेजर जनरल, लेफ्टिनेंट जनरल और जनरल रैंक तक के सभी ऑफिसर पर समान रूप से लागू होगा।

अप्रैल में ही लिया गया था कॉमन यूनीफॉर्म का निर्णय

भारतीय सेना के सूत्रों की मानें तो यह कदम निष्पक्ष और न्यायसंगत ऑर्गनाइजेश के कैरेक्टर को और भी मजबूत करेगा। उन्होंने यह भी कहा कि इस साल अप्रैल में संपन्न सेना कमांडरों के सम्मेलन के दौरान सभी लोगों के साथ व्यापक विचार-विमर्श के बाद यह निर्णय लिया गया है। सूत्र ने बताया कि फ्लैग रैंक (ब्रिगेडियर और ऊपर) के वरिष्ठ अधिकारियों के हेडगियर, शोल्डर रैंक बैज, गोरगेट पैच, बेल्ट और जूते अब मानक के अनुसार और एक समान होंगे। फ्लैग रैंक के अधिकारी अब डोरी (रस्सी) नहीं पहनेंगे। सूत्रों ने यह भी क्लियर किया है कि कर्नल और उससे नीचे के रैंक के अधिकारियों द्वारा पहनी जाने वाली वर्दी में कोई भी बदलाव नहीं किया गया है।

ब्रिगेडियर और उससे ऊपर के रैंक के अधिकारियों पर नियम लागू

यह बताना जरूरी है कि भारतीय सेना में ब्रिगेडियर और उससे ऊपर के अधिकारी वे हैं जो पहले ही इकाइयों और बटालियनों की कमान संभाल चुके हैं। वे ज्यादातर मुख्यालय और प्रतिष्ठानों में तैनात हैं, जहां सभी हथियारों और सेवाओं के अधिकारी एक साथ काम करते हैं। सूत्रों ने कहा कि एक मानक वर्दी भारतीय सेना के सच्चे लोकाचार को दर्शाएगी। साथ ही सभी वरिष्ठ रैंक के अधिकारियों की एक सामान्य पहचान सुनिश्चित करेगी।

क्या है Common Uniform

सूत्रों ने बताया कि विभिन्न प्रकार की वर्दी और साज-सज्जा का भारतीय सेना में संबंधित शस्त्रों, रेजिमेंटों और सेवाओं से विशेष स्थान है।

उन्होंने आगे कहा कि आर्म्स या रेजिमेंट के भीतर खास तरह की पहचान के साथ यह मान्यता जूनियर लीडरशिप और रैंक और फाइल के लिए आवश्यक है। यह नियम सौहार्द, एस्प्रिट डी कॉर्प्स और रेजिमेंटल व्यवहार को और मजबूत करने के लिए है। यूनिट और बटालियन स्तर पहचान की अलग भावना होती है। पिछले साल भारतीय सेना ने अमेरिकी सेना की तरह डिजिटल पैटर्न वाली कॉम्बैट यूनिफॉर्म अपनाई थी।

कांग्रेसियों ने उठाया राशन वितरण में जन समस्या का मुद्दा

न्यूज़ वायरस नेटवर्क

देहरादून , 10 मई , कांग्रेस कार्यकर्ताओं ने वार्ड 17 एवं 18 में राशन लेने में आ रही दिक्कतों को लेकर एक प्रतिनिधि मंडल ने जिला पूर्ति अधिकारी विवेक शाह से मुलाकात की और उन्हें समस्याओं के बारे में अवगत कराया।

इस अवसर पर प्रतिनिधिमंडल ने डीएसओ को बताया कि चुक्खूवाला में सरकारी सस्ते गल्ले की दुकान जो कैलाश अग्रवाल की दुकान पर राशन लेते थे अब रवि शर्मा की दुकान से राशन मिलेगा लेकिन जब रवि शर्मा की दुकान पर लोग राशन लेने गये तो उन्होंने कहा कि सबका राशन राजेन्द्र अग्रवाल की दुकान से मिलेगा और राजेन्द्र अग्रवाल ने भी राशन देने से मना कर दिया और लोगों को इधर उधर भटकना पड़ रहा है, जिसे सहन नहीं किया जायेगा।इस अवसर पर पूर्व विधायक राजकुमार ने कहा कि लोगों की समस्या को देखते हुए शीघ्र दुकान का निर्णय लिया जाये और लोगों की परेशानी को शीघ्र दूर कर राशन विक्रेताओं को नौ माह से कमीशन नहीं मिला है जिससे लोग राशन नहीं उठा रहे है और लोगों को समय पर राशन नहीं मिल रहा है। इस अवसर पर उन्होंने कहा कि लोग इधर उधर भटक रहे है और उनकी समस्याओं का तत्कला प्रभाव से समाधान किया जाये। इस अवसर पर पूर्व महानगर अध्यक्ष लालचन्द शर्मा ने कहा कि दुकान सुबह व शाम दोनों वक्त खुलनी चाहिए। उन्होंने कहा कि राशन की कालाबाजारी दूर की जानी चाहिए। अन्यथा इसके लिए आंदोलन किया जायेगा।

इससे पूर्व प्रतिनिधि मंडल ने जिला पूर्ति अधिकारी के कार्यालय के बाहर प्रदर्शन किया। इस अवसर पर प्रदर्शनकारियों ने कहा कि जल्द व्यवस्था में सुधार नहीं किया गया तो डीएसओ कार्यालय पर धरना प्रदर्शन किया जायेगा। इस अवसर पर पूर्व विधायक राजकुमार, पूर्व महानगर अध्यक्ष लालचन्द शर्मा, पार्षद डाक्टर बिजेन्द्र पाल सिंह, अर्जुन सोनकर, सविता सोनकर, मुकेश सोनकर, निखिल कुमार, सुनील बग्गा, आशू रतूडी , संध्या रानी, अंजू पंवार, रमा देवी, शुजल सोनकर, रंजीत, अतर लाल, गंगा प्रसाद, ज्ञानवी देवी, पूनम सोनकर, विजय लक्ष्मी राजेन्द्र कुमार, लाजवंती सहित अन्य कार्यकर्ता शामिल रहे।